A Village Centre, A Shared Future

An introduction to the proposed School of Sanatan pilot in Pakur, Jharkhand.

A modest, accessible beginning

The proposed model is a 500-square-foot community learning and service centre, initially serving approximately three or four neighbouring villages. The plan will be refined through consultation, resources and local arrangements.

Learning connected to livelihoods

Agriculture, nursery care, livestock, fisheries and enterprise learning are proposed themes. Local workers and visiting specialists would support practical sessions. Farm demonstrations require appropriate agreements with the facilities involved.

A place for shared responsibility

Educational support, health awareness and referrals, women's participation and youth involvement belong in the centre's wider vision. Essential services will be inclusive. Philosophy and cultural learning will be voluntary.

Earn the right to expand

Before expansion, review participation, useful skills, follow-up, operating costs and the community's experience. Publish clear accounts and distinguish proposed goals from completed work. A trustworthy small centre is the foundation for a larger network.

For reflection and discussion. This original brief is not a clinical, technical or accredited training manual.

ग्राम केंद्र, साझा भविष्य

झारखंड के पाकुड़ में प्रस्तावित स्कूल ऑफ सनातन पायलट का परिचय।

सुलभ और सीमित शुरुआत

लगभग 500 वर्ग फुट का सामुदायिक शिक्षा और सेवा केंद्र प्रस्तावित है, जो शुरुआत में तीन या चार निकटवर्ती गाँवों के लिए होगा। स्थानीय चर्चा, संसाधनों और व्यवस्था के अनुसार योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आजीविका से जुड़ी शिक्षा

कृषि, पौधशाला, पशुपालन, मत्स्यपालन और उद्यम प्रशिक्षण प्रस्तावित विषय हैं। स्थानीय कार्यकर्ता और अतिथि विशेषज्ञ व्यावहारिक सत्रों में सहयोग करेंगे। फार्म प्रदर्शन के लिए संबंधित सुविधाओं से उचित समझौते आवश्यक होंगे।

साझी जिम्मेदारी का स्थान

शिक्षा सहयोग, स्वास्थ्य जागरूकता और रेफरल, महिलाओं की सहभागिता तथा युवा नेतृत्व केंद्र की व्यापक दृष्टि का हिस्सा होंगे। आवश्यक सेवाएँ सभी के लिए होंगी। दर्शन और संस्कृति की शिक्षा स्वैच्छिक होगी।

समीक्षा के बाद विस्तार

विस्तार से पहले सहभागिता, उपयोगी कौशल, अनुवर्ती सहयोग, संचालन खर्च और समुदाय के अनुभव की समीक्षा करें। स्पष्ट लेखा-जोखा प्रकाशित करें और प्रस्तावित लक्ष्य को पूरे हुए काम से अलग रखें। विश्वसनीय छोटा केंद्र बड़े नेटवर्क का आधार है।

विचार और चर्चा के लिए मौलिक परिचयात्मक सामग्री। यह चिकित्सा, तकनीकी या मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण पुस्तिका नहीं है।